"अभिनव पहल"

विशेष इनोवेशन (Vision District @2047)

आजादी के 100 वर्ष

जनपद :– मथुरा, उत्तर प्रदेश।

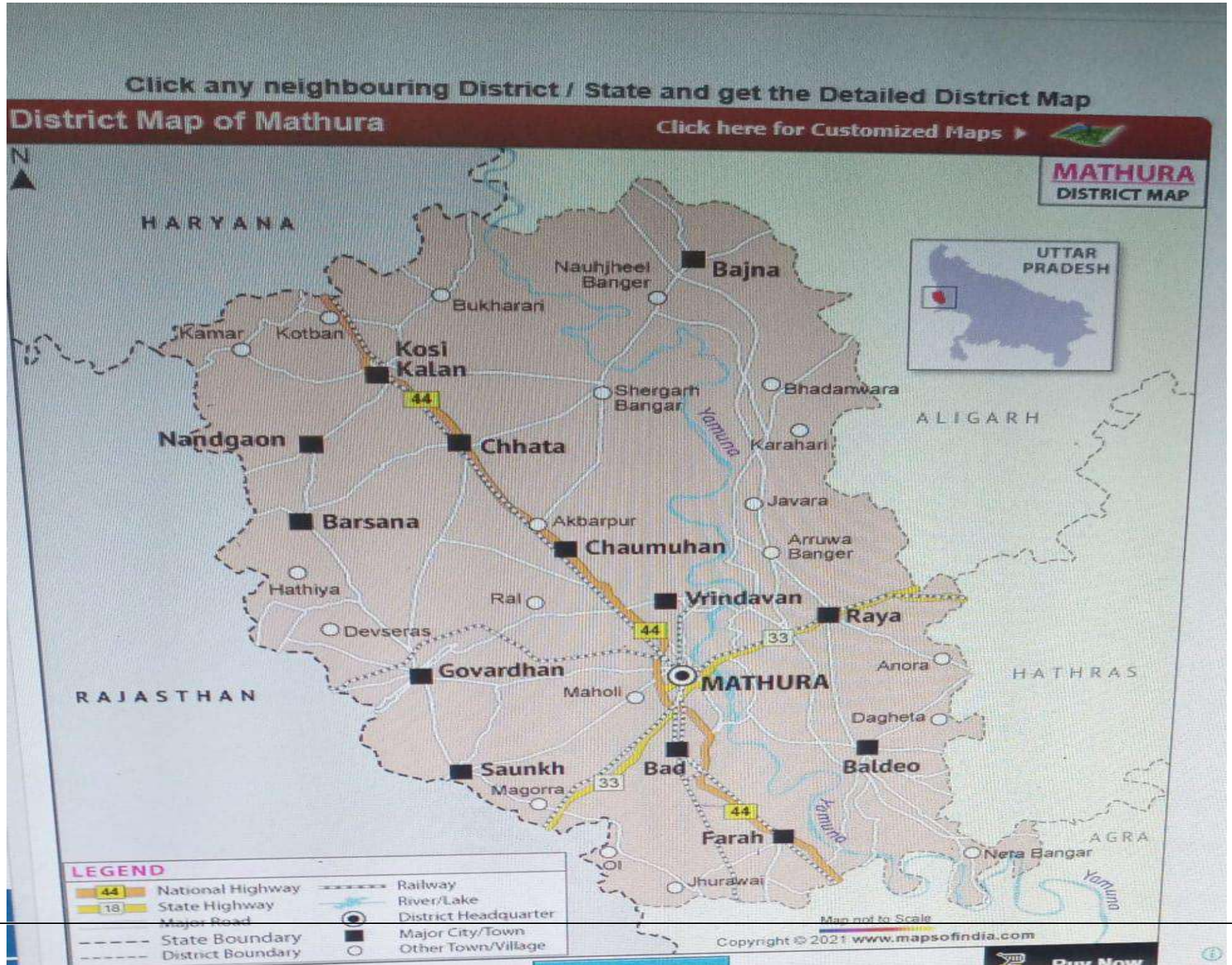

Click any neighbouring District / State and get the Detailed District Map
District Map of Mathura
Click here for Customized Maps
MATHURA
DISTRICT MAP
UTTAR PRADESH
N
HARYANA
RAJASTHAN
ALIGARH
HATHRAS
AGRA
Bajna
Nauhjheel Banger
Bukharari
Kamar
Kotban
Kosi Kalan
Shergarh Bangar
Bhadanwara
Nandgaon
Chhata
Karahari
Yamuna
Javara
Barsana
Akbarpur
Chaumuhan
Arruwa Banger
Hathiya
Ral
Vrindavan
Raya
Devseras
Govardhan
MATHURA
Anora
Maholi
Dagheta
Saunkh
Bad
Baldeo
Magorra
Farah
Nera Bangar
Ol
Jhurawai
44
33
LEGEND
National Highway
State Highway
Major Road
State Boundary
District Boundary
Railway
River/Lake
District Headquarter
Major City/Town
Other Town/Village
Map not to Scale
Copyright © 2021 www.mapsofindia.com

जन्म भूमि

कुसुम सरोवर

जनपद एवं दृष्टि में

यह जनपद पूर्व काल से ही ब्रह्मर्षि देश, शूरसेन, मथुरा मण्डल एवं ब्रज की प्रमुख राजधानी रहा । वैदिक युग में ही मधुरा या मधुपूरी नाम से अस्तित्व में था। यहाँ मधु राजा का राज्य था। इसके आस–पास का क्षेत्र मथुरा मण्डल कहलाता था। मथुरा मण्डल रूपान्तरित होकर समय के प्रभाव में परिवर्तित होते–होते मथुरा के नाम प्रसिद्ध हुआ।

दूसरी एवं तीसरी शताब्दी में बौद्ध धर्म के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में मथुरा का उल्लेख चीनी यात्री फाहयान (401–410 ई0) ने अपने यात्रा विवरण में किया है। इसी प्रकार 12 एवं 19 वें जैन तीर्थकर नेमीनाथ एवं मल्लीनाथ के जन्म एवं कर्म कल्याणक इसी मथुरा भूमि में सम्पन्न हुये। इस प्रकार एक महत्वपूर्ण जैन तीर्थ के रूप में मथुरा की पर्याप्त प्रसिद्धि रही है।

16 वीं शताब्दी में ब्रज काव्य, संगीत व ललित कलाओं के सांस्कृतिक पुनरोत्थान का केन्द्र बना। महाप्रभु बल्लभाचार्य, रूप, चैतन्य महाप्रभू, सनातन, स्वामी हरिदास जी, आदि संतों ने ब्रज की अपनी कर्म स्थली बनाया व ब्रजभाषा को अपनी रचनाओं से समृद्ध किया।

वर्तमान मथुरा नगर व आस पास का क्षेत्र जो ब्रजभूमि के नाम से जाना जाता है। प्राचीन सूरसेन की राजधानी था। श्री कृष्ण भगवान की जन्मभूमि/लीलास्थली होने के कारण मथुरा जनपद उत्तर प्रदेश का प्रमुख जनपद होने के साथ–साथ भारत में ही नही बल्कि सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है। यहॉ प्रत्येक वर्ष लाखों श्रद्वालु, पर्यटकों के आने के कारण बहुत से परिवारों का जीविकोंपार्जन इसी पर निर्भर करता है। साथ ही यहॉ के सामाजिक एवं आर्थिक ढॉचे पर इसका प्रभाव पडता है।

भौगोलिक सीमायें:

जनपद मथुरा उत्तर प्रदेश की पश्चिमी सीमा अक्षांश $28^0.50'$ देशान्तर $77^0.40$ पर स्थित है। इसके पूर्व में जनपद हाथरस, दक्षिण पूर्व में आगरा, उत्तर में हरियाणा राज्य का जनपद पलवल स्थित है। जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल 3340 वर्ग कि0मी0 है। इस जनपद की प्रमुख नदी यमुना है। यमुना नदी वर्ष भर बहती है तथा जनपद की प्रत्येक तहसील को छूती हुई बहती है। यह प्रत्येक वर्ष अपना मार्ग बदलती रहती है। इसके परिणाम स्वरूप हजारों हेक्टेयर क्षेत्र बाढ से प्रभावित हो जाता है। यमुना नदी के किनारे की भूमि खादर है।

क्षेत्रफल एवं जनसंख्या

जनपद मथुरा का भौगोलिक क्षेत्रफल 3340 वर्ग कि0मी0 है। वर्ष 2001 की जनसंख्या के अनुसार जनपद में 621 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी जनसंख्या का घनत्व था जो घटकर वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 763 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 हो गया है।

जनपद की आर्थिक स्थिति

जनपद मथुरा आर्थिक दृष्टिकोण से प्रदेश के अधिकांश जनपदों की अपेक्षा सुदृढ़ स्थिति में है। यहॉ के आर्थिक विकास में पर्यटन का महत्वपूर्ण स्थान है। जनपद मथुरा तीर्थ स्थान होने के कारण यहॉ पर देश विदेश के श्रद्वालु वर्षभर आते जाते है जिस के फलस्वरूप कंठी माला पौशाक, फोटो फ्रेम, पीतल की मूर्तियों आदि से सम्बन्धित उद्यम विकसित हो रहे है। अतः प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे है इसके अतिरिक्त कृषि व्यवसाय ही जनपद का मुख्य आय का स्त्रोत है।

जनपद के विशेष इनोवेशन (Vision District @2047) विभिन्न क्षेत्रों जैसेः– आध्यत्म एवं पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल संरक्षण, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, उद्योग एवं रोजगार, खेल, आपदा प्रबन्धन, पर्यावरण संरक्षण, तथा इन्फ्रास्टेक्चर को दृष्टिगत रखते हुये लक्ष्य निर्धारित किये गये है।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
आध्यत्म एवं पर्यटन

वर्तमान में मथुरा नगर व आस पास का क्षेत्र ब्रजभूमि के नाम से जाना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि / लीला स्थली होने के कारण मथुरा जनपद उत्तर प्रदेश का प्रमुख जनपद होने के साथ –साथ भारत में ही नही बल्कि सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है। वर्ष भर में लगभग 6 करोड़ श्रद्वालु, पर्यटकों जनपद में भ्रमण हेतु आते है। भविष्य में तीर्थ यात्रियों का ब्रज में आगमन बढ़ने के दृष्टिगत वाहन पार्किग, होटल, गेस्टहाउस, शौचालय, सड़क चौडीकरण, लीलाओं के सांस्कृतिक मंचन के लिए ऑडिटोरियम, के लिए लक्ष्य निर्धारित किये गये है।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- ब्रज में मथुरा वृन्दावन, गोवर्धन, बरसाना, नन्दगांव, गोकुल, महावन, एवं बल्देव में श्रीकृष्ण की लीला स्थली मन्दिरों आदि समग्र संरक्षण, प्रबन्धन ढ़ांचा, सर्वागीण विकास तथा प्रचार–प्रसार करना।

दाऊजी जी महाराज, बल्देव

श्री बांके बिहारी लाल, मन्दिर, वृन्दावन

- ब्रज के सांस्कृतिक स्वरूप को मान्यता देने एवं उसे समग्र रूप से विकसित करने के लिए यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में सूचीबद्ध करना।
- ब्रज के प्रमुख स्थलों का परिवहन नेटर्वक जैसेः– रेलवे, सड़क मार्ग एवं जल मार्ग का एकत्रीकरण करना। सार्वजनिक परिवहन के अन्तर्गत प्रदूषण रहित साधन जैसेः– ई–बस, ई–टैक्सी, ई–रिक्शा, मेट्रों रेल, सोलर चार्जिग स्टेशन, वाहन व पैदल चलने वाले पर्यटकों के लिए रास्तों का उचित पृथकीकरण, प्रकाश व्यवस्था, वृक्षारोपण तथा स्ट्रीट फर्नीचर आदि की व्यवस्था करना।
- ब्रज के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, उत्सव, मेलों आदि की रूप रेखा तैयार करना, सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु पर्याप्त मात्रा में ऑडिटोरियम/ थियेटर की व्यवस्था करना।
- पर्यटकों को ब्रज के अन्तर्गत मन्दिर, स्मारक, कुण्ड, घाट, वन आदि का भ्रमण कराने की आधुनिक व्यवस्था करने के साथ सार्वजनिक सुविधाऐं जैसेः– शौचालय, पेयजल, पार्किग, चिकित्सालय, रेस्टोरेन्ट, होटल, सुरक्षा की व्यवस्था करना।
- समुचे ब्रज में पर्यटक सुविधा केन्द्र के संचालन की व्यवस्था करना। ब्रज चौरासी परिक्रमा शहरी नियोजन नीतिओं अन्तर्गत सार्वजनिक सुविधा, परिक्रमा के पड़ाव स्थलों पर आधुनिक सार्वजनिक सुविधाऐं विकसित करना।

3.5 MAP DEPICTING DIFFERENT ROAD SECTIONS PROPOSED IN PARIKRAMA MARG

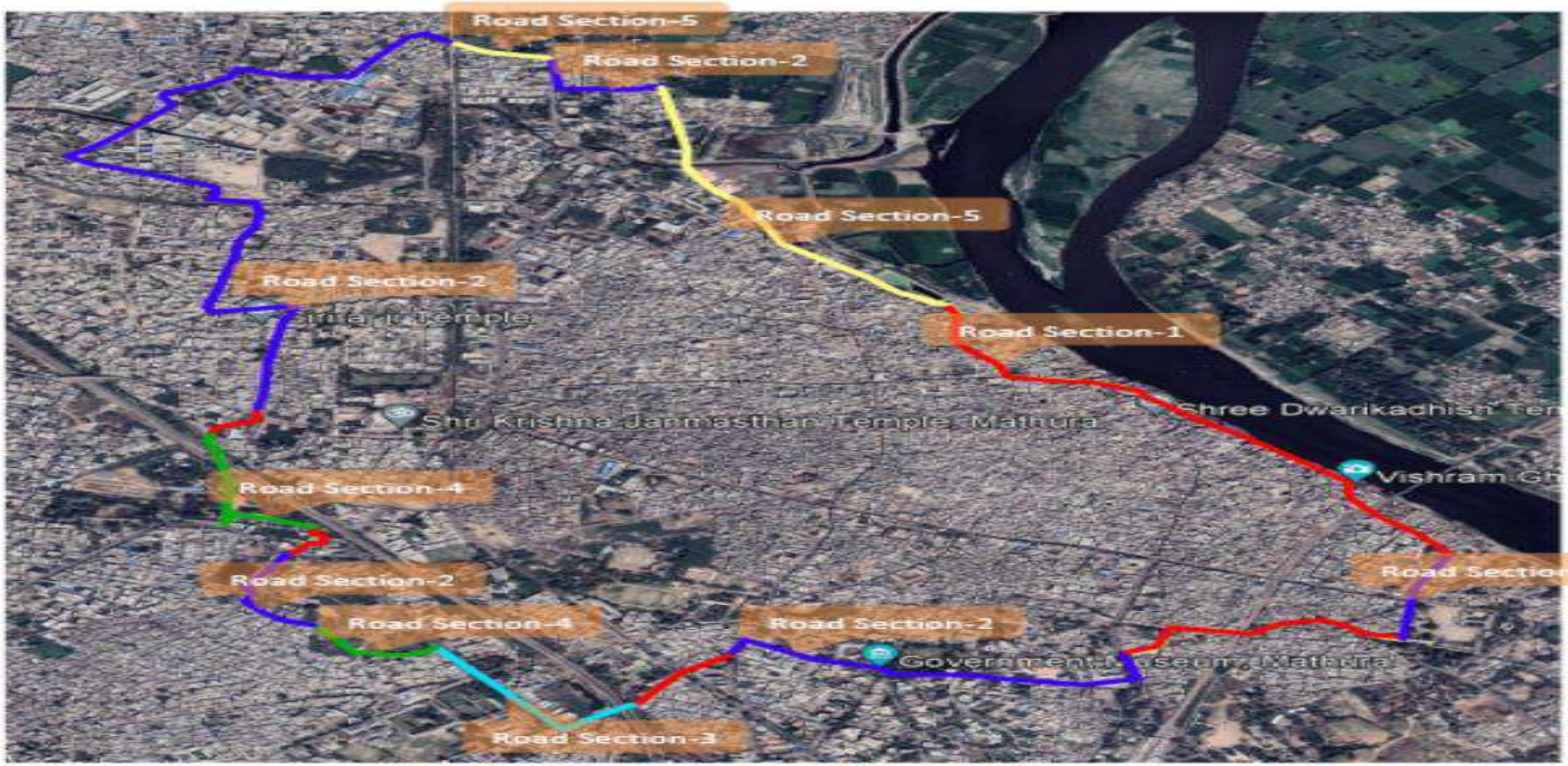

Figure 27: Different Road Sections of Mathura Parikrama

	ROAD SECTION -1	(TOTAL LENGTH: 2900 M)
	ROAD SECTION -2	(TOTAL LENGTH: 5100 M)
	ROAD SECTION -3	(TOTAL LENGTH: 590 M)
	ROAD SECTION -4	(TOTAL LENGTH: 722 M)
	ROAD SECTION -5	(TOTAL LENGTH: 1470 M)

वृन्द पालकी

निर्धारित पर्किंग स्थलों से धार्मिक स्थलों को जोडने हेतु समर्पित वाहन व्यवस्था

- Starting Point : MVDA Parking/Chhatikara
- Stop 1 : Between Prem Mandir and ISKCON
- Stop 2 : Vidyapeeth, for Baanke Bihari Ji
- Stop 3 : Nagar Paalika, for Rang Ji and Govind Dev Temple, and Nidhivan
- Stop 4 : Near Bus Stand and Rama Krishna Aashram
- Stop 5 : Atalla Chungi
- Destination : MVDA Parking
- Completing the circular path, Vehicle comes back to Point A

मीरा बाई कन्वेशन सेन्टर

SITE PLAN OF CONVENTION CENTER

No. of Storeys	3
Total Plot Area	24276.82 Sqm
Total Covered Area	13102.01 Sqm
Basement	6396.17 Sqm
Ground	4560.97 Sqm
First Floor Including Mezzanine	2144.87 Sqm

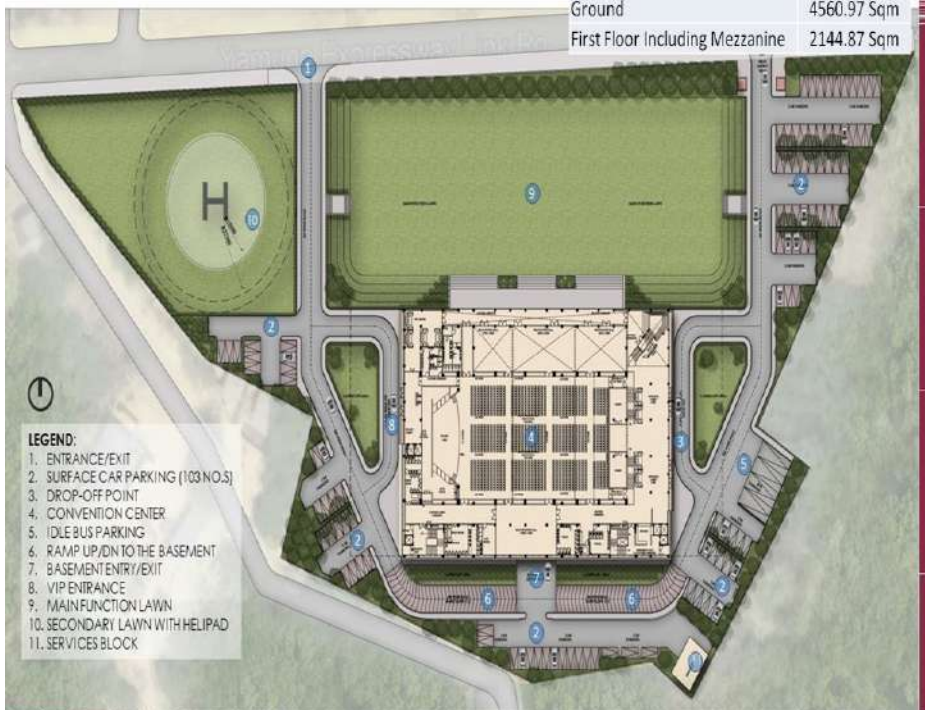

CONVENTION CENTER, VRINDAVAN

EXTERIOR VIEW OF CONVENTION CENTER

रंगजी मन्दिर क्षेत्र का विकास

सौन्दर्यीकरण की परियोजना अब नगर निगम वृन्दावन अपने स्तर से स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत इन्टेक के माध्यम से कराया जा रहा है। प्राविधान– कार पार्किंग, गजेबों, स्ट्रीट वेन्डर जोन, फुटपाथ निर्माण, टायलेट ब्लाक प्रकाश व्यवस्था सी.सी.टी.वी. व पी.ए.सिस्टम आदि। दिनांक 23.11.2021 को प्रमुख सचिव नगर विकास मिशन डायरेक्टर स्मार्ट सिटी को भेजा गया है। जिसे अब नगर निगम द्वारा प्रयास किया जा रहा है।

श्री बांके बिहारी जी मन्दिर फसाड लाईट

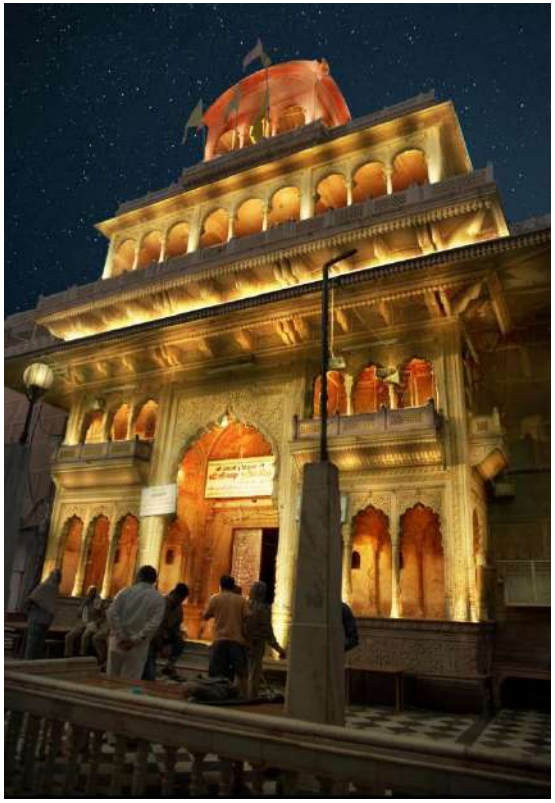

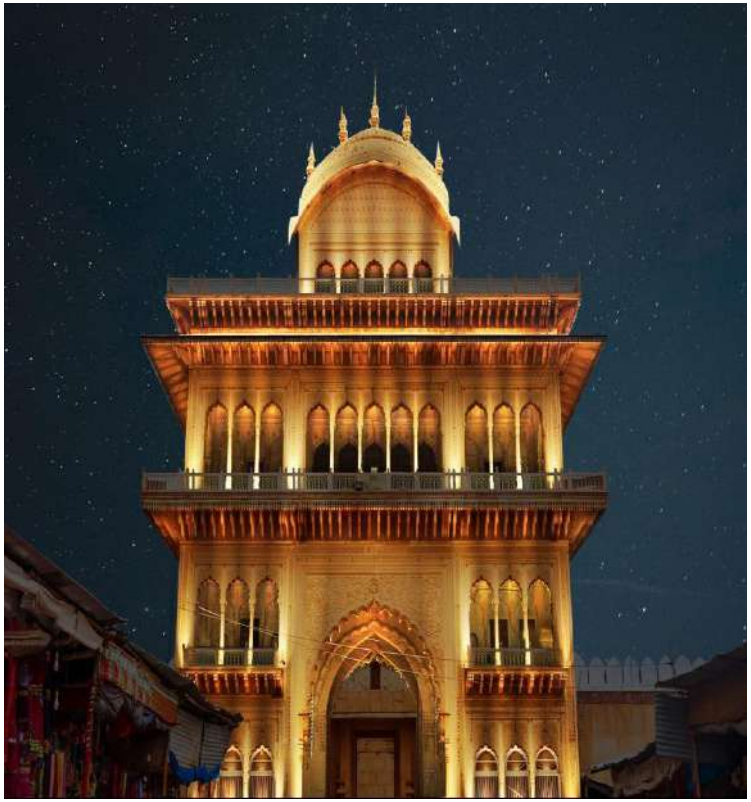

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण

आवास अवसंरचना योजना

मथुरा–वृन्दावन विकास क्षेत्र एक विशाल क्षेत्र है जिसमें 11 नगर पालिकाएँ और 222 गाँव शामिल हैं। शहरी आवास क्षेत्र के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और आवास योजनाओं के निवेश में आने वाली रुकावटों/बाधाओं को हल करने के लिए योजनाबद्ध शहरी बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। धार्मिक स्थल होने के कारण यहाँ तीर्थयात्रा की प्रचुर वृद्धि होती है

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- मथुरा वृन्दावन के जुड़वां शहरों के साथ पूरे मास्टर प्लान 2031 के 1100 वर्ग किमी क्षेत्र में लगभग 25 लाख की शहरी आबादी होने की उम्मीद है। हम एमवीडीए में 2047 तक अपने सभी निवासियों को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ किफायती, आरामदायक और अच्छे आवास प्रदान करने की योजना बना रहे हैं। हमारा दृष्टिकोण जुड़वां शहरों को सभी सौंदर्यशास्त्र और हरित एवं स्वच्छ शहरों के साथ विकसित करना है
- प्राधिकरण ने 2047 तक अपने निवासियों के लिए तेज़ और सुरक्षित संचार की भी परिकल्पना की है, जिसके लिए एमआरटीएस विकल्पों का पता लगाया जाएगा और जहां भी आवश्यक हो, रोपवे के साथ उपयुक्त अल्ट्रा मॉडेम स्मार्ट मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम 2047 तक विकसित किया जाएगा।

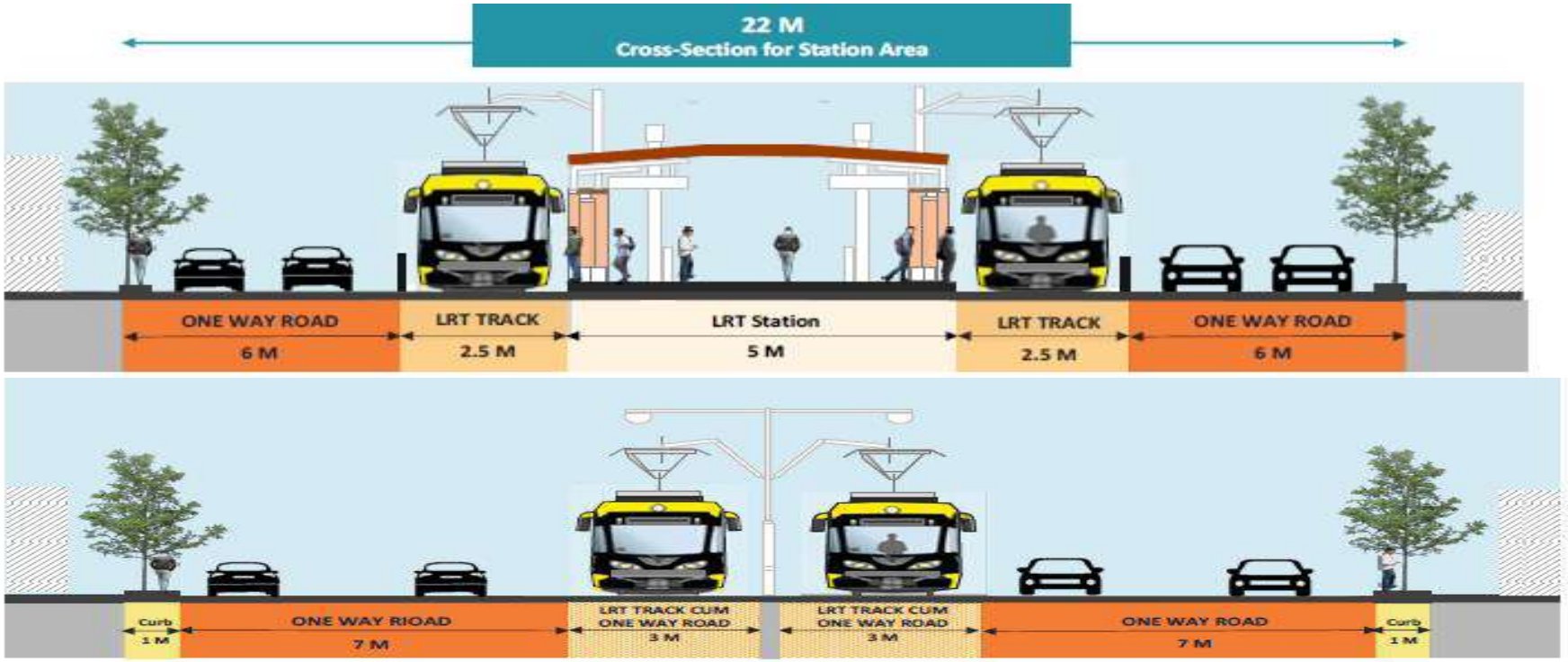

MASS TRANSIT SYSTEM BETWEEN MATHURA AND VRINDAVAN

RLDA – FEEDBACK INFRA (20-21)

- USE OF UNDER-UTILIZED METER-GAUGE LINE MOOTED
- RLDA APPOINTED FEEDBACK INFRA TO PREPARE A PRE-FEASIBILITY REPORT
- PRE-FEASIBILITY REPORT SUBMITTED : DEC 2020
- PRESENTATION TO RLDA : JAN 2021
- PRESENTATION TO MoUD FOR VGF : JAN 2022

PROJECT STAKEHOLDERS :

- MINISTRY OF RAILWAYS – LAND
- STATE GOVERNMENT – PROJECT CAPEX
- CENTRAL GOV. (MoUD) –GRANT / VGF
- RLDA – LAND MONETIZATION

THE PROJECT REQUIRES MORE THAN 40% OF PROJECT COSTS AS CAPEX SUBSIDY.
AS SUCH IT IS NOT AMENABLE TO BE STRUCTURED AS A PPP-BOT / PPP-DBFOT PROJECT.

- वहां कई धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण संरचनाएं हैं, वहां निर्माण गतिविधियों पर नियंत्रण कर संरचना के निकट के क्षेत्र को संरक्षित किया जाना है। मास्टर प्लान 2031 में आवश्यक प्रावधानों को शामिल किया जा रहा है।

- शहरी निवेश और विकास और तीर्थयात्रियों के लिए बुनियादी ढांचे को समायोजित करने के लिए मास्टर प्लान 2031 में अतिरिक्त सुविधाएं प्रस्तावित की जा रही हैं।

- नदी तट क्षेत्र का योजनाबद्ध विकास एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है मास्टर प्लान 2031 में इसे ध्यान में रखा गया है।

- शहरी गरीबों के लिए नियोजित कम लागत और किफायती भूमि और मकान उपलब्ध कराना आय समूह. राज्य की गाइड लाइन के अनुसार प्रावधान को ध्यान में रखा जा रहा है।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
नगर निगम, मथुरा–वृन्दावन

मथुरा –वृन्दावन भारत के सात पवित्र शहरों में से एक है। जनपद भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक हैं जहॉ श्रीकृष्ण जी के प्रमुख मन्दिर जैसेः– रंगजी मंदिर, गोविंद देव मंदिर, बांके बिहारी मंदिर, मदन मोहन मन्दिर, राधा बल्लभ मन्दिर, निधिवन मन्दिर और पागल बाबा मन्दिर, जन्म भूमि मन्दिर स्थित है। जहॉ समस्त भारत और दुनिया भर से पर्यटक मथुरा–वृंदावन आते हैं और त्योहारों, सप्ताहांत और छुट्टियों के दौरान पर्यटकों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- सभी जगहों पर स्ट्रीट लाइट और पानी की सुविधाऐ और क्षेत्र की साफ–सफाई और रख–रखाव पर अधिक जोर दिया जाए। नगर पालिका की संपत्ति इकाइयों और वार्डों का सर्वेक्षण और सीमा चिन्हांकन करके 100% मानचित्रण।
- सार्वजनिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अवांछनीय बाधाओं को हटाना और शहर के अधिकतम क्षेत्र को कवर करके स्थापित करना।
- सार्वजनिक सुविधाओं, सीवरों, सड़कों और बाजार का विकास और रखरखाव। आवासीय, औद्योगिक एवं वाणिज्यिक स्थानों पर जल सुविधा। हरित पर्यावरण के लिए सड़कों के किनारे वृक्षारोपण तथा रखरखाव।

- स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिए नागरिकों के लिए स्वच्छ जल का प्रावधान और जल संसाधनों के जल प्रदूषण को रोकने के उपाय एवं सार्वजनिक उपयोग हेतु अस्पतालों का रखरखाव और विकास करना।
- बाल कल्याण केंद्रों और जन्म नियंत्रण क्लीनिकों की स्थापना, रखरखाव और सहायता करना, और बढ़ावा देकर परिवार कल्याण और जनसंख्या नियंत्रण में सुधार करना तथा स्वस्थ मन और शरीर के विचार को बढ़ावा देना और इसके लिए केंद्र स्थापित करना।
- विकसित सुविधाओं से राजस्व उत्पन्न करना और कचरे से उत्पादों के अंतिम उत्पादन को बेचने के लिए एक अच्छा बाजार स्थान ढूंढना और पीपीपी मोड पर अग्रणी बाजार खिलाड़ियों के साथ साझेदारी विकसित करना ताकि यूएलबी के धन के उपयोग को कम किया जा सके।
- नगर निगम की वित्तीय व्यवस्था को बनाये रखने हेतु मल्टीलेविल पार्किंग स्थल, बस स्टॉप एवं सार्वजनिक सुविधाओं का निर्माण एवं रखरखाव तथा कर निर्धारण व्यवस्था डिजिटलीकरण करना।
- स्थानीय निवासियों और पर्यटकों के मुद्दों और शिकायतों को हल करने के लिए शिकायत और निवारण प्रणाली को मजबूत करना तथा सांस्कृतिक, भावनात्मक और सामंजस्यपूर्ण पहलुओं को बढ़ाएं।
- आद्योगिक अस्थापना को मजबूत कर स्थानीय निवासियों को रोजगार के नये अवसर उपलब्ध कराने हेतु पर्यटक सुविधा केन्द्र होटल, रेस्टोरेन्ट, स्थानीय लघु उद्योग, को बढ़ावा देना तथा प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सुविधाएं विकसित करना।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

मथुरा जिला पहले चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाओं के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा हुआ था, लेकिन शासन के निरंतर प्रयासों के बाद स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्तमान में 03 जिला अस्पताल, 12 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और 27 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 279 स्वास्थ्य उप–केंद्र (163 स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र), 08 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 12 शहरी स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र चालू हैं और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। मथुरा एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल है और राजस्थान और हरियाणा राज्यों का सीमावर्ती जिला है, इसलिए यहां बड़ी संख्या में विदेशी और देशी पर्यटक आते हैं।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- प्रति लाख जनसंख्या पर दो से तीन 102 और 108 एम्बुलेंस की तैनाती।
- सभी सीएचसी को सभी आवश्यक लॉजिस्टिक्स के साथ कार्यात्मक एफआरयू में परिवर्तित किया जाना चाहिए।
- आईपीडी रोगियों के लिए आरामदायक वातावरण जिसमें हीटर सहित एयर कंडीशनिंग शामिल है।
- जनशक्ति को मजबूत करने के लिए मेडिकल और पैरामेडिकल प्रशिक्षण संस्थान।
- सभी सीएचसी में मातृ एवं शिशु देखभाल विंग।
- कोविड–19 आदि जैसी महामारी की स्थिति से निपटने के लिए विशेष देखभाल इकाई।
- उच्च स्तरीय परीक्षण सुविधाएं।
- मरीजों और दवा ट्रैकिंग के लिए ऑनलाइन निगरानी प्रणाली शुरू हो रही है।
- प्रदर्शन विश्लेषण के लिए तृतीय पक्ष मूल्यांकन प्रणाली।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
कृषि

जनपद मथुरा की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। कृषि क्षेत्र में विकास की बड़ी संभावनाएं उपलब्ध हैं। जनपद में कृषि क्षेत्र 322936 हेक्टेयर है। मुख्य फसलें जैसे :– चावल, बाजरा गेहूं, सरसों।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- बेहतर कृषि उत्पादन और उच्च मूल्य वाली फसल की खेती, बाजरा फसल के तहत न्यूनतम 25% क्षेत्र।
- सुनिश्चित खरीद, लाभदायक विपणन और उचित इनपुट डिलीवरी।
- प्रत्येक किसान को एफपीओएस द्वारा कवर किया गया।
- बेहतर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।
- पूर्ण जैविक खेती एवं विविधीकृत खेती।
- राष्ट्रीय कृषि बाजार से जुड़ी कार्यात्मक मण्डियाँ।
- क्रियाशील खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां एवं कोल्ड स्टोरेज।
- कृषि–व्यवसाय एवं 100% बीज प्रतिस्थापन।
- रासायनिक कीटनाशकों एवं खरपतवार नाशकों का प्रयोग न करें।
- फसल बीमा का 100% कवरेज।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
सिंचाई

प्रतिवर्ष निर्धारित सिल्ट सफाई कार्यक्रम के अन्तर्गत नहरों की हैड से टेल तक सफाई कराकर नहरों के अन्तिम छोर तक कृषकों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना, नहरों पर सघन पेट्रोलिंग कर अवैध कटान पर कड़ी निगरानी रखना तथा इस तरह के अवैध कार्यों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करना।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- जनपद मथुरा में स्थापित राजकीय पम्प कैनाल को पूर्ण क्षमता से संचालित किया जायेगा।
- समस्त नहरों को रोस्टर के अनुसार चलाकर कृषकों को सिंचाई हेतु पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध कराया जायेगा।
- नहर पर होने वाली अवैध गतिविधियों की सतत् निगरानी रखते हुए टेल फीडिंग कराई जायेगी।
- प्रतिवर्ष खरीफ फसली में नहरों से भरे जा सकने वाले सभी तालाबों को नहरों के माध्यम से भरा जायेगा।
- सिंचाई हेतु उपलब्ध पानी का सुनियोजित ढंग से सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित कराया जायेगा तथा किसी भी दशा में पानी की बर्बादी नहीं होने दी जायेगी।
- नहर एवं नालों पर निर्मित पुल, पुलियाओं एवं अन्य पक्की संरचनाओं को सुरक्षा के दृष्टिगत विकसित करना है।

- नहरों के सुचारू संचालन हेतु नहरों के हैड पर गेटों की मरम्मत व पुनस्थापना का कार्य कराया जायेगा।
- नहरों की क्षमता वृद्धि हेतु नहरों की पुनस्थापना के कार्य कराये जायेंगे।
- विभाग के निरीक्षण भवनों की सुरक्षा हेतु चारों ओर बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कराया जायेगा। निरीक्षण भवनों को उपयोगी बनाने हेतु पुनरोद्धार के कार्य कराये जायेंगे।
- सहभागी सिंचाई प्रबन्धन अधिनियम 2009 के अधीन जल उपभोक्ता समितियों का गठन किया जायेगा। उक्त समितियों द्वारा नहरों का संचालन एवं रखरखाव किया जायेगा।
- नहर एवं नालों की पटरियों के किनारे वृक्षारोपण कर पर्यावरण एवं आवागमन हेतु उपयोगी बनाना है।
- जल प्लावन की समस्या के समाधान हेतु नालों की सफाई का कार्य गुणवत्तापूर्वक समयान्तर्गत पूर्ण कराया जायेगा ।
- यमुना नदी से होने वाले कटान से आबादी एवं कृषि भूमि की सुरक्षा हेतु समय–समय पर आवश्यकतानुसार कटाव निरोधक कार्यों को कराया जायेगा।
- यमुना नदी के फ्लड जोन को संरक्षित किया जायेगा।
- जनपद के सभी तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कराकर पुनर्जीवित कर जल संरक्षण कार्य किया जाना साथ ही तालाब किनारे क्षेत्रीय स्थिति अनुसार वृक्षारोपण कार्य।
- प्राचीन कुआं को रेनवाटर हारवेस्टिंग हेतु प्रयोग में लाना।
- अनुपयोगी बोरिंग से ग्रांउडवाटर रिचार्जिग।
- हर घर जल संचयन (रेनवाटर हार्वेस्टिंग द्वारा)

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
पशु पालन

जनपद में 58 गौशालाओं में कुल 19534 गौवंश संरक्षित है। मा0 मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अन्तर्गत 1757 गौवंश पशुपालकों को सपुदृगी में दिये गये है। जिनकों रू0 30 प्रति पशु प्रतिदिन के हिसाब से 900 रू0 मासिक शासन द्वारा अवगत कराया जाता है।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- दुग्ध उत्पादन परंपरागत व्यवसाय है. अधिक से अधिक कृषकों को पशु पालन व्यवसाय से जोडा जाये, ताकि दूग्ध उत्पादन में वृद्धि हो तथा कृषको को दूध उत्पादकों से आय में वृद्धि होगी क्योंकि दुग्ध उत्पादन बड़े स्तर का व्यवसाय है और यह वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है जनपद की अर्थ व्यवस्था में पिछले दो वर्षों में 8–9 प्रतिशत वृद्धि हुई है।
- नस्ल सुधार कार्यक्रम के अर्न्तगत मिशन सैक्सेड सीमन द्वारा कृत्रिम गर्भाधान में वृद्धि कराने तथा उससे अधिक से अधिक मादा बच्चे उत्पन्न हो तथा दूग्ध उत्पादन में वृद्धि हो ।
- समस्त विकास खण्डों में गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कराना जिससे अधिक से अधिक मात्रा में हरा चारा उत्पादन कराया जाना। जिससे गौवंशों के स्वास्थ रहने पर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो सकें।
- समस्त ग्रामीण पशु पालको को गोबर एवं गोमूत्र से उत्पादक बनाने हेतु प्रशिक्षण दिलाते हुए उत्पाद जैसे गोबर के लठठे मूर्ति दीपक आदि तैयार करने से आय में वृद्धि हो, ताकि पशु पालकों द्वारा गौवंश को बोझ न समझा जायें और अधिक से अधिक संख्या में गौवंश का पालन किया जाये।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
दुग्धशाला विकास

जनपद मथुरा में कुल 254 दुग्ध समिति कार्यरत है। जनपद में दुग्ध संघ से 8357 सदस्य जुडे हुऐ है। दुग्ध समितियों के माध्यम से 8000–10,000 ली0 दूध का क्रय प्रतिदिन किया जाता है। जनपद में दुग्ध क्रय हेतु 205 डाटा प्रोसेसिंग मिल्क कलेक्शन यूनिट तथा दुग्ध क्रय हेतु 15 ऑटोमैटिक बल्क मिल्क कलेक्शन यूनिट संचालित है। वर्तमान में दुग्ध संघ द्वारा 300–400 ली0 प्रतिदिन दुग्ध विक्रय किया जा रहा है।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- जनपद की प्रत्येक ग्राम पंचायत में सहकारी दुग्ध उत्पादक समिति का गठन ।
- जनपद में 50,000 नये सहकारी सदस्यों की दुग्ध समिति के माध्यम से जोडना ।
- जनपद में दुग्ध क्रय हेतु 250 नये ऑटोमैटिक बल्क मिल्क कलेक्शन यूनिट की स्थापना किया जाना।
- जनपद में मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट तैयार कर 500 मिल्क बूथों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता का 1,00,000–1,20,000 दुग्ध विक्रय किया जाना ।
- जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों से डाटा प्रोसेसिंग मिल्क कलेक्शन यूनिट के माध्यम से दुग्ध क्रय किया जाना।
- जनपद में पशु पालकों से दुग्ध क्रय कर दुग्ध उत्पादकों को उचित मूल्य दिलाना।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
मत्स्य पालन

जनपद में ग्राम सभा तालाबों का पट्टा क्षेत्रफल 32.00 हे० है। जिसे 27 लाभार्थियों को पट्टा आवंटित कर लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना– उपयोजना – निजी भूमि में तालाब निर्माण / निवेश (मीठा / खारा जल) के अन्तर्गत क्षेत्रफल 81.576 हे0 है। जिससे 218 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत उपयोजना वृहद रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम के स्वीकृत ऑनलाइन आवेदन के फलस्वरूप 02 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत उपयोजना अघु फीड गील में स्वीकृत ऑनलाइन आवेदन के फलस्वरूप 01 लाभार्थी को लाभान्वित किया गया है। मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड योजनान्तर्गत विभिन्न बैंक शाखाओं द्वारा 117 लाभार्थियों के मत्स्य के०सी०सी० बैंकों द्वारा निर्गत किये गये हैं। जनपद–मथुरा में 04 मत्स्य जीवी सहकारी समितियां क्रियाशील है तथा 01 एफ०एफ०पी०ओ० गठित है जो कि क्रियाशील है।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- ग्राम सभा तालाबों का पट्टा आवंटन क्षेत्रफल 600.00 हे0 लाभार्थियों को पट्टा आवंटित कर लाभान्वित किया जायेगा।
- प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना उपयोजना–निजी भूमि में तालाब निर्माण / निवेश (मीठा / खारा जल) के अन्तर्गत कुल क्षेत्रफल 2000.00 हे० के लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा।
- प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना– उपयोजना वृहद रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम के संख्या 50 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा।

- प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना– उपयोजना–लघु फीड मील के अन्तर्गत 25 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा।
- मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड योजनान्तर्गत 5000 लाभार्थियों को मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड ऋण की सुविधा से जोड़ना।
- जनपद–मथुरा में 40 मत्स्य जीवी सहकारी समितियों का गठन होना प्रस्तावित है।
- जनपद–मथुरा में 20 एफ०एफ०पी०ओ० का गठन कराया जाना प्रस्तावित है।
- जनपद–मथुरा में कुल संख्या 25 मत्स्य बीज हैचरी निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।
- जनपद–मथुरा में ग्राम कोलाहर के निकट पूर्व निर्मित मत्स्य बीज उत्पादन केन्द्र को एन्टरप्रेन्योरशिप मॉडल के रूप मे मत्स्य पालन की विभिन्न गतिविधियां स्थापित किया जाना प्रस्तावित है जिससे उक्त हैचरी को एक्वापार्क के रूप में विकसित कर एक्वा टूरिज्म को बढ़ावा मिल सकें।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
पंचायती राज

ग्रामीण स्तर की विकास योजना का निर्माण करना व उनका क्रियान्वयन, ग्राम को आत्मनिर्भर बुनियादी ढाँचा प्रदान करने के उद्देश्य से स्वच्छ पेयजल, शौचालय, नाली, खंरजा, आदि का निर्माण कर स्वच्छ ग्राम विकसित करना। ग्राम पंचायतों को उन्नत आजीविका के लक्ष्य को प्राप्त करना।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- ग्राम पंचायतों को 100 प्रतिशत स्वच्छ पर्यावरण प्रदान किया जाना।
- ग्राम पंचायतों को सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत बनाना।
- ग्राम पंचायतों में 100 प्रतिशत पेयजल की उपलब्धता।
- ग्राम पंचायतों को बाल एवं महिला हितेषी पंचायत बनाना।
- ग्राम पंचायत में सुशासन का पालन कराना।
- ग्राम पंचायतों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन का उचित निस्तारण कर अपशिष्ट का पुनः प्रयोग करना।
- घाम पंचायतों के पंचायत घरो को सुचारू रूप से संचालित करना ।
- ग्राम पंचायतों को गरीबी मुक्त बनाये जाने हेतु आजीविका के नये स्रोत्र बनाना।
- ग्राम पंचायतों को हरित पंचायत हेतु नई उन्नत कृषि का उपयोग कराना।

- ग्राम पंचायतों के स्कूलों को नई शिक्षा निति के अन्तर्गत एस्ट्रोलोजी (खगोल) लैब प्रदान करते हुये स्कूलों में स्मार्ट क्लास / ई–क्लास उपलब्ध कराना।
- ग्राम पंचायतों को ओपन जिम / खेल मैदान / पार्क की शतप्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित कराया जाना।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
ग्राम विकास

जिला ग्राम्य विकास संस्थान, मथुरा वर्ष 1965 में कृषक प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित किया गया। संस्थान पर महिला एवं पुरूष दोनों को प्रशिक्षण प्रदान किये जाते है महिला सशक्तिकरण विषयक प्रशिक्षणों का भी आयोजन किया जाता है। अति आधुनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में माध्यम से उच्च गुणवत्ता के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत समूह संखी महिलाओं का माड्यूल आवासीय प्रशिक्षण
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत आई०सी०आर०पी० महिलाओं आवासीय परिक्षण।
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत ग्राम संगठन के पुस्तक संचालको का आवासीय प्रशिक्षण।
- ग्राम स्वराज योजनान्तर्गत क्षेत्र पंचायत सदस्यों का आवासीय परिक्षण
- भारत सरकार के आवर्तक मद से विभिन्न प्रशिक्षण (प्रगतिशील, कृषक, आंगनवाडी आशाओ आदि)
- आपदा प्रबंधन विषयक प्रशिक्षण
- मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत सोशल आडिट टीम के सदस्यों का सोशल आडिट विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रमों।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन :–

- ग्रामीण गरीब परिवारों को गरीबी से बाहर लाने के लिए टिकाऊ आजीविका उपलब्ध कराई जायेगी।
- ग्रामीण परिवारों को क्रेडिट तक पहुँच सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न फेडरेशन का विकास।
- ग्रामीण परिवेश के परिवारों की मनोस्थिति में परिवर्तन कर महिलाओं की सामाजिक दशा एवं आर्थिक स्थिति में सुधार ।
- ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक गरीब परिवार को योजना से जोड़कर उनकी आजीविका के साधन विकसित किए जायेंगे। महिलाओं के विभिन्न उद्यम स्थापित कर उनको रोजगार प्रदान किया जायेगा।
- योजना में जोड़े गए परिवारों को विभिन्न योजनाओं से अभिसरण कर उन्हें गरीबी रेखा से बाहर लाया जायेगा।
- स्मूहों की फेडरेशन को मजबूत आधार प्रदान किया जायेगा ताकि वे मिनी बैंक के रूप में कार्य कर सकें, तथा समूह की महिलाओं की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु क्रेडिट उपलब्ध करा सकें।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना :–

- रोजगार परक कार्य करने के इच्छुक ग्रामीण परिवारों को उनके ग्राम में ही मनरेगा अन्तर्गत कार्य देकर आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जायेगी।
- वर्तमान में मनरेगा अन्तर्गत ग्रामीण परिवार को वर्ष में 100 दिन तक ही रोजगार दिया जा सकता है। आने वाले वर्षो में वर्ष भर रोजगार दिया जा सकेगा।
- ग्रामीण आधारभूत संरचना का वर्ष 2017 तक पूर्णतः विकास हो सकेगा। मनरेगा अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में आने वाले नर्षो मे पचायत घर सार्वजनिक शौचालय, खेल के मैदान, चारागाह, अस्थाई गौशालाएं, ग्रामीण हाट, सस्ते राशन की दुकान, स्कूल तथा सार्वजनिक रास्तो आदि आधारभूत संरचनाओं का पूर्णतः विकास हो सकेगा।

- आग्रामी वर्षों में कृषि क्षेत्र में कृषकों की आय बढाने तथा भूजल स्तर सुधार में मनरेगा का बड़ा योगदान होगा।
- तकनीकी के प्रयोग से योजना पूरी तरह से पारदर्शी एवं जन महत्वाकांक्षाओं को प्रतिबिम्बित करने वाली होगी। ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार स्थापित करने में योजना सहायक सिद्ध होगी

मनरेगा रोजगार गारन्टी योजना :–

- रोजगार परक कार्य करने के इच्छुक ग्रामीण परिवारों को उनके ग्राम में ही मनरेगा अन्तर्गत कार्य देकर आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जायेगी।
- वर्तमान में मनरेगा अन्तर्गत ग्रामीण परिवार को वर्ष में 100 दिन तक ही रोजगार दिया जा सकता है। आने वाले वर्षो में वर्ष भर रोजगार दिया जा सकेगा।
- ग्रामीण आधारभूत संरचना का वर्ष 2017 तक पूर्णतः विकास हो सकेगा। मनरेगा अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में आने वाले नर्षो मे पचायत घर सार्वजनिक शौचालय, खेल के मैदान, चारागाह, अस्थाई गौशालाएं, ग्रामीण हाट, सस्ते राशन की दुकान, स्कूल तथा सार्वजनिक रास्तो आदि आधारभूत संरचनाओं का पूर्णतः विकास हो सकेगा।
- आग्रामी वर्षों में कृषि क्षेत्र में कृषकों की आय बढाने तथा भूजल स्तर सुधार में मनरेगा का बड़ा योगदान होगा।
- तकनीकी के प्रयोग से योजना पूरी तरह से पारदर्शी एवं जन महत्वाकांक्षाओं को प्रतिबिम्बित करने वाली होगी। ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार स्थापित करने में योजना सहायक सिद्ध होगी

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
लोक निर्माण विभाग

जनपद एक विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल होने के कारण देश विदेश से लाखों श्रद्वालु दर्शनों की अभिलाषा से आते है जिसके अन्तर्गत उ0प्र0 सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता के दृष्टिगत स्थानीय जनता एवं आने एवं जाने वाले श्रद्धालुओं हेतु स्मार्ट रोड एवं आधुनिक सम्पर्क मार्गों का निर्माण करना है।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- उत्तर प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता के अन्तर्गत शहरी आबादी में आने वाले महत्वपूर्ण मार्गों को उच्चीकृत कर स्मार्ट रोड में विकसित किया जाना है जिससे यातायात में सुगमता एवं स्थानीय जनता, श्रद्धालुओं स्मार्ट रोड पर अत्याधुनिक पार्किंग, डिवाइडर, फुट ओवर ब्रिज, फुटपाथ, रोड साइनेज, ट्रैफिक सिगनल, स्वागत द्वार एवं वाईफाई इत्यादि सुविधायें प्रदान होंगी।
- धार्मिक स्थलों पक्के सम्पर्क मार्ग एवं पूर्व निर्मित सम्पर्क मार्गों को श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत उच्चीकृत कर अत्याधुनिक सुविधायें प्रदान करना है।
- शहरी एवं कस्बों की संकीर्ण आबादियों हेतु वाईपास का निर्माण कर यातायात में होने वाली कठिनाइयों को दूर कर जनता को सुविधा प्रदान करना है।
- जनपद मथुरा के समस्त राजस्व ग्राम एवं उनके मजरों को पक्के सम्पर्क मार्गों से जोड़कर ग्रामीण जनता को व्यावसायिक एवं कृषि उद्योगों से जोड़कर लाभ प्रदान करना है।

- अन्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गों को उच्चीकृत कर चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य कराकर प्रदेश की जनता को लाभ प्रदान करना है।
- जनपद के विभिन्न श्रेणी के मार्गों पर तिराहे एवं चौराहों को साइनेज एवं रोड फर्नीचर के माध्यम से विकसित कर सड़क सुरक्षा प्रदान करना है।
- ग्रामीण मार्गों को चौड़ीकरण कर ग्रामीण अँचल की जनता को व्यावसायिक दृष्टि से शहरी क्षेत्र से जोड़कर सुगम यातायात प्रदान करना है।
- अनुउपयोगी प्लास्टिक इत्यादि से होने वाले प्रदूषण को रोकने हेतु उक्त सामग्री का प्रयोग कर सड़कों का निर्माण किया जाना हैं
- महत्वपूर्ण मार्गों के सहारे पटरियों पर वृक्षारोपण कर पर्यावरणोपयोगी बनाना है।
- समस्त श्रेणी के मार्गों पर मनरेगा के माध्यम से कार्य कराकर स्थानीय जनता को रोजगार उपलब्ध कराना है।
- मार्गों पर चिन्हित दुर्घटना स्थलों को शॉर्ट टर्म मेजर एवं लॉन्ग टर्म मेजर के माध्यम से विकसित कर दुर्घटनाओं रोकना है।
- मार्गों सहारे व्यावसायिक उद्योग लगाने हेतु मार्गों को विकसित किया जाना है।
- मार्गों पर पड़ने वाले पुल एवं पुलियाओं को सुरक्षा के दृष्टिगत विकसित करना है।
- जनपद मथुरा के व्यावसायिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों के मार्गों को आवश्यकता के अनुरूप विकसित कर उद्यमियों को व्यवसाय के प्रति प्रेरित करना है।
- शासकीय एवं अर्द्धशासकीय भवनों को अत्याधुनिक सुविधाओं जैसे– दिव्यांग हितैषी, वाटर हार्वेस्टिंग, अग्निशमन इत्यादि सुविधाओं को सम्मिलित करते हुए निर्माण करना।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
परिवहन

Vision of Road Safety (Zero Death in Road Accident) परिवहन विभाग द्वारा समय–समय पर सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन करना जिसमें सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आम जनमानस को व्यापक स्तर पर जागरूक किये जाने के उद्देश्य से यातायात के नियम के प्रति जानकारी उपलब्ध कराना एवं अन्य गतिविधि सम्पादित की जाती है आने वाले समय में इस योजना के तहत सडक दुर्घटनाओं में निश्चित तौर पर कमी आएगी।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- Online Portal Service– वाहनों का स्वामित्व हस्तान्तरण आधार कार्ड के आधार के माध्यम से आने वाले समय में दर्ज किया जाएगा, जिसके फलस्वरूप वाहन स्वामियों को घर बैठे इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे।
- Establishment of Driver's Training Programme & Institute of Driving Training and Research (HYTRY / Regional Driving Training Centres (RDICs) and Driving Training Centres (DTCs) की योजना स्थापित होने पर प्रदेश में औद्योगिकरण को बढ़ावा दिया जायेगा एवं अभ्यिार्थियों के लिए वाहन चालाना सीखने के लिए सरकारी स्टेशन उपलब्ध हो सकेगा, जिसके फलस्वरूप व्यक्तियों को गुणवत्ता पूर्वक वाहन चलाना सिखाया जा सकेगा।
- Inspection and Certificate Center– प्रदेश में वाहनों की तकनीकी स्वस्थता को सुनिश्चित किये जाने के प्रयोजनार्थ वाहनों की जांच हेतु स्वचालित परीक्षण स्टेशन (ए०टी०एस०) की स्थापना से प्रदेश में औद्योगिकरण का बढ़ावा दिया जायेगा।

- Establishment of Scrape Center की योजना स्थापित होने पर प्रदेश में औद्योगिकरण का बढावा दिया जायेगा। जनपद मथुरा में इस योजना पर कार्य किया जा रहा है।
- New Technology in enforcement– की योजना के अन्तर्गत नयी इंटरसेप्टर वाहन जोकि लेजर स्पीड गन से लैस होगी के माध्यम से प्रवर्तन दल हाईटेक किये जाने प्रास्तव प्रस्तावित है, जिससे प्रवर्तन कार्यों को करने में दक्षत मिलेगी एवं सडक दुर्घटनओं को रोकने में वृहद सकरात्मक प्रभाव मिलेगा।
- Safe and Comfortable journey– राष्ट्रीय राजमार्ग के प्रत्येक 50 कि0मी0 की दूरी पर आरामदायक स्थल निर्धारित किया जाने से वाहनों के चालाकों को वाहन चलाने में काफी सुविधा की अनुभूति होगी, जिससे सडक दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा।
- E-Charging Station– की योजना मथुरा जनपद में विकिसित होने पर ई–वाहनों के उद्योगों को बढावा मिलेगा एवं क्षेत्र प्रदूषण मुक्त होगा।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
खादी ग्रामोद्योग

जनपद मथुरा में लोगों का उद्योग लगाने के लिए रूझान बढ़ रहा है। विभाग द्वारा मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना जैसी योजनायें संचालित है।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2047 तक 1560 लाभार्थियों के माध्यम से 12,480 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है।
- मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अन्तर्गत वर्ष 2047 तक 240 लाभार्थियों के माध्यम से 4,800 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है।
- मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अन्तर्गत वर्ष 2047 तक 120 लाभार्थियों के माध्यम से 1200 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है।
- योजना को सफलतापूर्वक चलाने हेतु प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम चार इन्डस्ट्रीयल स्टेट डवलप किये जाये जिससे लोगों को एक ही स्थान पर उद्योग लगाने में आसानी हो सके इण्डस्ट्रीयल स्टेटों को सड़क पानी व बिजली आदि की व्यवस्था से सुसज्जित किया जाये जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार व्यक्तियों को अपने गांव में ही रोजगार उपलब्ध हो सके व शहरों की तरफ ग्रामीण लोगों का पलायन रुक सके।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
श्रम

ओद्योगिक सम्बन्ध, मजदूरी, कार्य अवधि, सेवा, रोजगार की स्थिति, महिलाओं के लिए समानत और सशक्तिकरण, बाल श्रम से सम्बन्धित कानूनों के बारें में श्रमिकों को जानकारी उपलब्ध कराना तथा शत प्रतिशत श्रम पंजीयन कराना।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- श्रमिकों एवं सेवायोजकों के मध्य सौदृर्यपूर्ण वातावरण सृजन कर प्रदेश में औद्योगिकरण को बढ़ावा दिया जायेगा।
- श्रमिकों के हित संवर्धन हेतु श्रमिकों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का शत–प्रतिशत निस्तारण किया जायेगा।
- समस्त पात्र श्रमिकों का शत–प्रतिशत पंजीयन कराते हुए उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से अच्छादित करते हुए उनके जीवन स्तर को उच्चीकृत किया जायेगा।
- निर्माण श्रमिकों के बच्चों को उच्च व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उदेश्य से मण्डल स्तर पर स्थापित अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश कराया जायेगा।
- ई श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित क्षेत्र के कामगारों को शासन द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित किया जायेगा।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
पुलिस

जनपद में यूपी कोप एप्प व पोर्टल से आम नागरिकों द्वारा घर बैठे चरित्र सत्यापन, किरायेदारी सत्यापन, घरेलू सहायता सत्यापन, जलूस अनुरोध, पोस्ट मार्टम रिपोर्ट अनुरोध, विरोध हडताल अनुरोध, शिकायत आदि के समबन्ध में नागरिकों द्वारा पोर्टल के माध्यम से पूर्ण लाभ प्राप्त किया जा रहा है। नागरिकों को त्वरित व शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने हेतु अतिआधुनिक पुलिसिंग प्रणाली की आवश्यकता है।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- Anti Romeo Squads for Women's Safety :– जनपद में एण्टी रोमियो स्वाइड 23 टीमें कार्यरत है जिसमें प्रत्येक थाना स्तर से 01–01 टीम गठित की गयी है तथा एक टीम जनपद मुख्यालय कार्यरत है, जो कि अपने क्षेत्रान्तर्गत स्कूल कालेज, माल बाजार घाट, पार्क, मन्दिर, कोचिंग सेन्टर एवं अन्य संस्थानों पर जाकर महिलाओं को सरकारी योजनाओं तथा कानून के बारे में साइबर क्राइम के बारे में जीरो ड्रग्स अभियान हेल्प लाइन नं० यातायात नियमों आदि के बारे में महिलाओं एवं बच्चों को जागरूक किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बच्चों में आत्म विस्वास में वृद्धि हो रही है तथा आम जन मानस लडकिया एवं महिलायें भयमुक्त होकर अपनी समस्याओं को साझा करती है, जो अपराध नियंत्रण की दृष्टि से एक अच्छा प्रयास है।
- Student Police Cadet (SPC) Programs. :– जनपद में उ०प्र० शासन से चयनित 39 विद्यालयों में कक्षा–8 एवं 9 के बच्चों को एस.पी.सी. योजना में सम्मिलित किया गया। छात्र–छात्रओं में आत्म विश्वास में वृद्धि किये जाने एवं दुरव्यस्नों तथा अपराध से दूर रहने हेतु एस०पी०सी० की योजना जनपद में प्रचलित है, जो किशोर अवस्था के बच्चों में अपराध एवं ड्रग्स आदि से दूर रखने का एक अच्छा प्रयास है।

- Mahila Samman Prakoshth for Women empowerment. :– जनपद मुख्यालय स्तर पर महिला सम्मान प्रकोष्ठ स्थापित है, जहाँ पीडित महिलाओं एवं बच्चियों को उ०प्र० रानी लक्ष्मी बाई महिला एवं बाल सम्मान को से आर्थिक सहायता प्रदान कराये जाने हेतु प्रस्ताव तैयार कर पोर्टल पर अपलोड किया जाता है जनपद के जिलाधिकारी के द्वारा धनराशि स्वीकृत भुगतान कर दी जाती है। यह पीडित महिलाओं एवं बच्चियों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनका मानोवल तथा आर्थिक रूप से मजबूत किये जाने की दृष्टि से उपयोगी कदम है।
- Tourism Police Station :–जनपद में धार्मिक स्थल होने के कारण बहुतायत संख्या में आने वाले देश एवं विदेश से दर्शानार्थियों एवं पर्यटकों की सुविधा एवं सुगमता के दृष्टिगत पर्यटक थाना स्वीकृत किया गया है, जिसके प्रशासनिक भवन के निर्माण की कार्यवाही प्रचलित है, शीघ्र ही जनपद में आने वाले पर्यटकों एवं दर्शानार्थियों का इसका लाभ मिल सकेगा।
- Cyber Police Station :–बढ़ते साइबर अपराधों के दृष्टिगत जनपद मथुरा में साइवर थाना शासन स्तर से स्वीकृत किया गया है, जिसके निर्माण हेतु भूमि चिन्हित कर ली गयी है तथा शासन से अनुदान प्राप्त होते ही साइबर थाना स्थापित होकर संचालित हो जायेगा जिससे जनपद में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगेगा।
- Anti Human Trafficking Unit :–शासन स्तर से जनपद में मानव तस्करी अपराधों के नियंत्रण हेतु एण्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की स्थापना की गयी है, जो मानव तस्करी से सम्बन्धित अपराधों पर नियंत्रण हेतु अच्छा कदम है।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
बैंक

PMJDY:प्रधानमंत्री जन धन योजना के अन्तर्गत 874928 खाते खोले गए है।जिसमें 365.12 करोड़ की रकम जमा है.

PMJJBY: प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 199225 खाता धारकों कवर कर लिया गया है.

PMSBY: प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना 546852 खाता धारकों कवर किया गया है।

APY: अटल पेंशन योजना के तहत 68798 खाता धारकों को कवर किया गया है।

KCC: किसान क्रेडिट कार्ड के तहत 257846 किसानों को अब तक रु. 4048.72 करोड़ की धनराशि का ऋण दिया गया है।

MSME : एम0एस0एम0ई0 के तहत अब तक 49561 लाभार्थियों को 3333.12 करोड़ की ऋण सुविधा उपलब्ध करायी गयी है.

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- PMJDY: प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत प्रतिवर्ष 65000 खाते खोल कर 2047 तक कुल 25 लाख खाते खोलने के लक्ष्य की उम्मीद है। इन खातों में रु. 1500.00 करोड़ की राशि जमा होने की उम्मीद है।

- PMJJBY: प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 42000 खाते प्रतिवर्ष कवर कर 2047 तक 12 लाख खातों का लक्ष्य प्राप्त करना है।
- PMSBY: प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 2047 तक 25 लाख खाताधारकों का बीमा करने की उम्मीद है, जिसमें हर साल 82000 खाताधारक शामिल होंगे। ।
- APY: अटल पेंशन योजना के तहत 2047 तक हर साल 16000 लाभार्थियों को जोड़कर 4.5 लाख खाताधारकों को कवर करने की उम्मीद है।
- KCC: किसान क्रेडिट कार्ड के तहत 2047 तक हर साल 1.5 लाख किसानों को अतिरिक्त ऋण सुविधा प्रदान करने की उम्मीद है। जिसके लिए 250 करोड़ प्रति वर्ष लक्ष्य निर्धारित करते हुये 2047 तक 10000 करोड़. करने की उम्मीद है।
- MSME: एमएसएमई के तहत 2500 लाभार्थियों को अतिरिक्त ऋण सुविधा प्रदान कर 2047 तक 1 लाख लाभार्थी तथा 500 करोड़ प्रति वर्ष अतिरिक्त वृद्धिशील ऋण राशि प्राप्त करने के लिए 2047 तक लगभग 15000 करोड़ होने की उम्मीद है।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
विद्युत

भूमिगत केबल का कार्य कर मानवरहित बिजलीघर (SCADA) प्रणाली लागू करना। लाइन लॉस को 10 प्रतिशत से कम करना। सुरक्षा की दृष्टि से सिस्टम शुद्धीकरण प्रीपेड / स्मार्ट मीटर की स्थापना कर त्रुटिरहित ऑनलाइन बिल जमा करने की सुविधा। औद्योगिक क्षेत्र में ट्रिपिंग फ्री विद्युत आपूर्ति ।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- प्रत्येक 33/11 के.वी. पर पृथक 132 के. वी. से दो स्वतंत्र 33 के.वी. की उपलब्धता।
- प्रत्येक परिवर्तक पर 50 प्रतिशत भार रखा जायेगा जिससे परिवर्तक को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सके।
- नगर पंचायत / नगर पालिका का शत–प्रतिशत केबिलिंग का कार्य कर निर्बाध विद्युत आपूर्ति ।
- माँग / आपूर्ति को ध्यान में रखकर नवीन 132 के. वी. 33/11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्रों का निर्माण।
- आधुनिक तकनीकी से लेस मेंटिनेंस वाहन से अनुरक्षण कार्य।
- नवीन संयोजन देने हेतु पेपरलेस प्रक्रिया का 100 प्रतिशत अनुपालन।
- उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान हेतु अतिआधुनिक तकनीक का प्रयोग कर समयबद्ध निस्तारण ।
- प्रत्येक विद्युत उपकेन्द्र को दो 132 के. वी. उपकेन्द्रों की 33 के.वी. लाइन से जोड़ा जायेगा जिससे किसी भी क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर दूसरी 33 के.वी. लाइन से विद्युत आपूर्ति सुचारू की जा सके।
- सभी 11 के.वी. पोषको को Ring Main Unit (RMU) से जोड़ना।
- ट्रांसफॉर्मर की लगभग शून्य खराबी के लिए अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणालियों का उपयोग करना।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
खाद्य तथा रसद

खाद्य तथा रसद विभाग, मथुरा द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत पात्र उपभोक्ताओं को खाद्यान्न/आम जनमानस को पैट्रोलियम उत्पादों को प्राप्त कराया जाना तथा खाद्य तथा रसद विभाग द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी परिवारों को ई–पॉश के माध्यम से खाद्यान्न को उपलब्ध कराया जाना एवं आम जनमानस को रिटेल आउटलेट के माध्यम से डीजल/पैट्रोल/सी0एन0जी0 गैस व गैस एजेन्सी के माध्यम से एल०पी०जी० गैस को सुगमतापूर्वक उपलब्ध कराना है।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- उत्तर प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता के अन्तर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत चयनित अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी परिवारों को ई–पॉश मशीन के माध्यम से निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण कराया जा रहा है। मथुरा जनपद में धार्मिक स्थल होने के कारण देश / विदेश से आने वाले लाखों श्रृद्धालुओं की सुविधा हेतु वाहनों में सी०एन०जी० प्राप्त करने हेतु जनपद में कम्पनी चालित 05 सी०एन०जी० पम्प स्थापित है साथ ही जनपद में स्थापित रिटेल आउटलेटों पर 2 सी०एन०जी० की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।
- जनपद मथुरा में उज्ज्वला गैस योजना के अन्तर्गत कुल 198964 एल०जी०जी० गैस कनेक्शन पात्र लाभार्थियों को प्रदान किये गये है।
- जनपद मथुरा में प्रचलित समस्त अन्त्योदय कार्डधारकों / सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे है, जिस पर लाभार्थियों 05 लाख रूपये तक का चिकित्सा बीमा सुविधा है। आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत जनपद मथुरा के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 75 माडल शॉप (उचित दर की दुकान) का चयन किया गया है, जिसमें

खाद्यान्न वितरण के साथ–साथ दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुए भी उचित मूल्य पर प्राप्त होगी तथा 5 जनसामान्य की सुविधा हेतु मॉडल शॉप में जन सेवा केन्द्र (कामन सर्विस सेन्टर) भी संचालित होगें।

- जनपद में कार्यरत कुल 832 उचित दर विक्रेताओं को उनका खाद्यान्न वितरण लाभांश एनी०पी०सी०आई० के माध्यम से आधार लिंक खातों में लाभांश भुगतान की कार्यवाही की जा रही है, जिससे लाभांश की राशि सीधे उचित दर विक्रेताओं के आधार लिंक खाते में तत्काल धनराशि पहुँच जाती है।
- जनपद के समस्त रिटेल आउटलेटों पर आम जनमानस की सुविधा हेतु वाहनों में हवा, शौचालय, स्वच्छ पेयजल की भी व्यवस्था उपलब्ध है।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत जनपद मथुरा हेतु 2011 की जनगणना के सापेक्ष ग्रामीण क्षेत्र में 79.56ः एवं नगरीय क्षेत्र में 64.43ः का लक्ष्य सम्पूर्ण है। जनपद मथुरा में दिव्यागों/निराश्रित अनाथ परिवारों / कुष्ठ रोगी / केन्सर रोगी / कुड़ा– कचरा बीनने वाले परिवारों को भी चिन्हित कर उन्हें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत पात्रता सूची में आच्छादित कर दिया गया है।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
शिक्षा

जनपद में समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत नवीन विद्यालयों की स्थापना कर समस्त नागरिकों को शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा शत–प्रतिशत साक्षरता प्राप्त करना।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- नई शिक्षा नीति के प्राविधानों को लागू किया जाना।
- सभी विद्यालयों में समस्त विषयों के शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना ।
- प्रोजेक्ट अलंकार योजनान्तर्गत पूर्व से संचालित सभी राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को 36 पैरामीटर पर संतृप्त किया जाना। इसके अन्तर्गत विद्यालयों में सभी मूलभूत सुविधाओं का विकास करना एवं विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाना।
- सभी राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास सुविधा उपलब्ध कराना ।
- ड्रापआउट को समाप्त कर सभी छात्रों का नामांकन सुनिश्चित कराया जाना ।
- नवीन शिक्षा योजनान्तर्गत सभी विद्यालयों में पढाई के साथ–साथ उनके कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। विद्यालयों में कौशल विकास से आधारित वोकेशनल कोर्स संचालित किये जायेंगे।
- शिक्षकों का गुणवत्तापूर्ण व नवीन तकनीक आधारित प्रशिक्षण। इसके अन्तर्गत डायट में अंग्रेजी, गणित व विज्ञान के शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।
- माध्यमिक शिक्षा में तकनीक आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया जाना।
- सभी विद्यालयों में दिव्यांग छात्रों के शिक्षण हेतु स्पेशल एजुकेटर की व्यवस्था।

- विद्यालयों में प्रयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना।
- बोर्ड परीक्षा का तनाव कम किया जायेगा जिससे कि छात्रों के ऊपर कोई बोझ न रहे।
- पढाई को आसान करने के लिए आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस साफ्टवेयर का इस्तेमान किया जायेगा।
- एक्स्ट्रा कैरीकुलर एक्टीविटीज को मैन सिलेबस में रखा जाना ।
- विद्यार्थियों को तीन मुख्य भाषा सिखाई जायेंगी जो अपने राज्य स्तर पर निर्धारित करेंगे।
- सभी विद्यालयों में छात्रों के शारीरिक विकास हेतु विद्यालय में तीन स्पोर्ट टीम का अनिवार्य रूप से गठन किया जाना ।
- समस्त विद्यालयों में खेल सुविधाओं का विकास । क्षेत्रीय स्तर पर ग्राम अथवा अन्य नगरीय क्षेत्रों में उपलब्ध खेल सामग्री एवं उपलब्ध खेल मैदान का युवक मंगल दल के समन्वय से विद्यार्थियों को खेल सुविधाएं उपलब्ध कराया जाना।

Vision 2047

(आजादी के 100 वर्ष)

बाल विकास एवं पुष्टाहार

जनपद मथुरा के सभी पात्र 0–06 माह एंव 06 माह से 03 वर्ष के बच्चों तथा गर्भवती एंव धात्री महिलाओं को पोषाहार से आच्छादित करना। तथा 03–06 वर्ष के बच्चों की आंगनबाडी केन्द्र पर अधिकतम् उपस्थिति सुनिश्चित करना। इस उद्देश्य से आंगनबाडी केन्द्रों का नियमित समय से खुलना एंव शालापूर्व गतिविधियों का केलैण्डर के अनुसार अनुपालन सुनिश्चित करना।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- सभी आंगनबाडी केन्द्रों के लिये भवन निर्माण हेतु भूमि प्रस्ताव प्राप्त करना एंव निर्माण हेतु बजट प्राप्त करना। जिससे आंगनबाडी केन्द्रों का संचालन मूलभूत सुविधाओं के साथ किया जा सके।
- आंगनबाडी कार्यकत्री से सहायका के सभी रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी करना। जिससे समस्त केन्द्रों का संचालन नियमित रूप से किया जा सके।
- सभी गर्भवती महिलाओं तथा 0–06 वर्ष के बच्चों का शत–प्रतिशत टीकाकरण करवाना।
- आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से लगातार परामर्श, संदर्भन, गृह भ्रमण एंव पोषाहार के माध्यम से 0–06 वर्ष के कुपोषित बच्चों की संख्या में 75 प्रतिशत कमी लाना है।
- 11–19 वर्ष की स्कूल न जाने वाली किशोरियों का शत–प्रतिशत विद्यालय में पंजीकृत करवाना तथा आयरन की गोली खिलाया जाना।
- 0–05 वर्ष के सभी बच्चों का आधार कार्ड बनवाना जिससे विभागीय सेवाएं बेहतर ढंग से दी जा सके।
- समस्त आंगनबाडी केन्द्रों पर बच्चों के लिये चायल्ड फ्रेन्डली वातावरण तैयार करना तथा सभी आंगनबाडी केन्द्रों को आधारभूत सुविधा से संतृप्त कराना शोचालय, पेयजल, विद्युत संयोजन जैसी सुविधाओं से संतृप्त करना।
- जनपद के आंगनबाडी केन्द्रों पर पंजीकृत 03–06 वर्ष के समस्त बच्चों को गुणवत्तापरक पूर्व शाला शिक्षा के माध्यम से समुचित शिक्षा के लिये एंव भविष्य के लिये बेहतर नागरिक तैयार करना।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
समाज कल्याण

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना में वर्तमान में 52680 लाभार्थियों को प्रति माह रू० 1000/– का लाभ दिया जा रहा है, तथा भारत स्वतन्त्रता के 100 वर्ष के बाद लगभग 1,50,000 वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ दिया जायेगा, जिसके लिये वर्तमान में पात्र लाभार्थीयों के लिये प्रत्येक ब्लॉक कैम्प का आयोजन भी किया जा रहा है तथा उक्त कार्यवाही भविष्य में भी पूर्ण रूप से की जायेगी।
- मुख्यमंत्री सामूहिक योजना में विगत वित्तीय वर्ष में 826 कन्याओं की सामूहिक विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था, जिसके लिये उ०प्र० सरकार के द्वारा 51,000 की धनराशि दिये जाने का प्राविधान किया गया है, तथा भारत स्वतन्त्रता के 100 वर्ष के बाद मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह लगभग 3500 जोड़ो की मुख्यमंत्री सामूहिक शादी कराये जाने की सम्भावना है।
- मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत निशुल्क कोचिंग दिये जाने हेतु प्राविधान किया गया है इस योजनान्तर्गत वर्तमान में 348 लाभार्थीयों को निशुल्क कोचिंग दी जा रही है तथा भारत स्वतन्त्रता के 100 वर्ष के बाद लगभग 3000 विद्यार्थीयों को सिविल सेवा, एन०डी०ए०, नीट, जे०ई०ई० की कोचिंग दी जा सकती है।
- पूर्वदशम छात्रवृत्ति / दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना में विगत वित्तीय वर्ष में 15341 विद्यार्थीयों छात्रवृत्ति का लाभ दिया गया था, को शासन / निदेशालय स्तर से पी०एफ०एम०एस० प्रणाली के माध्यम से सीधे बैंक खातों में धनराशि का प्रेषण किया गया था, तथा भारत स्वतन्त्रता के 100 वर्ष के बाद लगभग 50000 विद्यार्थीयों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ दिया जाना सम्भव हो सकती है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण

- जनपद के समस्त दिव्यांगजनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु उनका चिन्हिकरण करते हुए स्वावलम्बन पोर्टल पर पंजीकरण कराते हुए यू०डी०आई०डी० (विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र जारी कराया जायेगा।
- जनपद के समस्त दिव्यांगजनों का सर्वे कराकर आर्थिक रूप से कमजोर पात्र दिव्यांगजनों को आर्थिक सहायता के रूप में दिव्यांग पेंशन प्रदान की जायेगी।
- जनपद के समस्त पात्र दिव्यांगजनों का सर्वे कराकर उनके दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाये जायेंगें।
- जनपद के शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगजनों को दिव्यांग बोर्ड द्वारा चिन्हित कराते हुए संबंधित कृत्रिम अंग / सहायक उपकरण प्रदान किये जायेगें।
- जनपद के दिव्यांगजनों में स्वरोजगार की भावना जाग्रत करते हुए दुकान निर्माण / संचालन हेतु ऋण प्रदान किया जायेगा।

पिछड़ा वर्ग कल्याण

1. पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों जिनकी वार्षिक आय 02.00 लाख से कम है के प्रतिभाशाली बच्चों को छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति प्रदान करते हुये उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद की जायेगी।

2. पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों जिनकी वार्षिक आय गरीबी रेखा से नीचे है की पुत्रियों की शादी हेतु आर्थिक सहायता के रूप में अनुदान प्रदान किया जायेगा।

3. पिछड़ा वर्ग के गरीब बेरोजगार युवक–युवतियों जिनकी वार्षिक आय 01.00 लाख से कम है को कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु नाइलिट द्वारा संचालित ओ–लेवल एवं सी०सी०सी० कम्प्यूटर कोर्स कराया जायेगा।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
खेल विकास

जनपद में लोगों को खेल के प्रति रूझान बढ़ रहा है विभाग द्वारा एकलव्य कीड़ा कोष, खेलों इण्डिया योजना अर्न्तर्गत एक जनपद एक खेल में खेलों इण्डिया सेन्टर संचालित किये जा रहे हैं. भूतपूर्व प्रसिद्ध खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन, प्रशिक्षण शिविरों का संचालन, तरणताल एवं जिम का पंजीकरण कराया जाना ।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- एकलव्य कीडा कोष योजना के अन्तर्गत लगभग 3000 सीनियर नेशनल स्तर पर पदक प्राप्त करने वाले खिलाडियों को लाभाविन्त कराये जाने का लक्ष्य है ।
- भारत सरकार की खेलों इण्डिया योजना अर्न्तगत एक जनपद एक खेल में प्रत्येक तहसील स्तर पर खेलों इण्डिया सेन्टर स्थापित होगे, जिससे जनपद के विभिन्न खेलों के खिलाड़ी लाभविन्त होंगें ।
- भूतपूर्व प्रसिद्ध खिलाडियों को आर्थिक सहायता योजना अर्न्तगत जनपद के 1000 भूतपूर्व प्रसिद्ध खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता प्रदान कराये जाने का लक्ष्य है ।
- खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन के अर्न्तगत विभिन्न खेलों में 3500 जनपदीय 500 प्रदेशीय, 100 राष्ट्रीय एवं 05 अन्तराष्ट्रीय खेल प्रतियोगितायें आयोजित होंगी।
- खेल प्रशिक्षण शिविरों का संचालन के अर्न्तगत जनपद में समस्त खेलों के 50 प्रशिक्षक उपलब्ध होने के साथ ही 300000 खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जायेगा ।
- खेल स्टेडियम बनवाने के अर्न्तगत जनपद की समस्त तहसीलों में अर्न्तराष्ट्रीय मानक के अनुसार स्टेडियम होंगें। जिससे मुख्यालय स्थित स्टेडियम के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में तहसील स्तर पर समस्त खेलों के

खिलाडियों को अर्न्तराष्ट्रीय स्टेडियम की अधिक से अधिक खेल सुविधाओं से बालक एवं बालिकायें लाभाविन्त हो सकें ।

- जनपदीय मुख्यालय स्पोट्र्स स्टेडियम को अन्तर्राष्ट्री स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन योग्य बनाया जायेगा एवं एक अत्याधुनिक स्पोट्र्स कालेज बनेगा ।

Vision 2047
(आजादी के 100 वर्ष)
वन एवं पर्यावरण

जनपद में वृन्दावन में यमुना किनारें सौभरि सिटी फॉरेस्ट का निर्माण किया जा रहा है। जनपद के महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए वन विभाग प्रयासरत है। इस प्रोजेक्ट के तहत यमुना किनारे 123 हे0 में वृक्ष लगाये जा चुके है। 3 किमी0 के दायरे में में फैले सिटी फॉरेस्ट में 25 प्रकार के वृक्ष रोपित किये जा रहे है। पहले चरण में 123 हे0 में 76875 पौधे लगाये जा चुके है। पर्यावरण के क्षेत्र में जिले की स्थिति अन्य की तुलना में बेहतर है, हमारे पास प्रचुर मात्रा में जल, भूमि के बड़े हिस्से पर जंगल हैं। जिले में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुर उपलब्धता है जिसे संरक्षित करने की आवश्यकता है।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- वृक्षारोपण हेतु प्रोत्साहन।
- जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा वन क्षेत्र की सुरक्षा एवं वृद्धि करना।
- सीवेज उपचार, कचरा प्रबंधन संयंत्र और जैव–अपशिष्ट उपचार संयंत्र।
- बाढ़/वर्षा जल संचयन प्रणाली।
- स्वच्छ मथुरा–हरित मथुरा।
- अतिरिक्त ऊर्जा संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देकर पेट्रोलियम ऊर्जा का बहुत कम उपयोग करना।
- वन्य प्राणियों के संरक्षण हेतु कार्यात्मक वन अभ्यारण्य।
- पर्यावरण एवं कृषि भूमि संरक्षण हेतु पराली प्रबंधन।

Vision 2047

(आजादी के 100 वर्ष)

महिला संशक्तिकरण

अशिक्षा, बेरोजगारी और अंधविश्वास के कारण महिलाओं की स्थिति में सुधार की जरूरत है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। बाल विवाह को रोकने के लिए विभिन्न सरकारी विभाग मिलकर काम कर रहे हैं. प्रत्येक पात्र बालिका का यूपीएमकेएसवाई और अन्य योजनाओं में नामांकन, जिसके लिए वे पात्र हैं। अनिवार्य बालिका शिक्षा के साथ–साथ लड़कियों के स्कूल छोड़ने के मामलों को कम करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। हर लड़की और महिला को सुरक्षा, वित्तीय सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न संगठन और विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। इसके अलावा गैर सरकारी संगठन भी महिलाओं के विकास के लिए काम कर रहे हैं। छात्राओं की शिक्षा पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण से जिले के साथ–साथ पूरे देश का विकास सुनिश्चित होगा।

Vision 2047 के लक्ष्यः–

- महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए सुरक्षित वातावरण और सख्त कानून लागू करना।
- कन्या शिक्षा शुल्क में छूट।
- महिलाओं के प्रति बदली समाज की मानसिकता

धन्यवाद ।